हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, गुरुवार 13 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नैरोगेज रेल म्युजियम में 5 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नैनपुर। रेलवे सुरक्षा बल नैनपुर ने रेल म्युजियम में न्यू क्रिमिनल लॉ का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में नागपुर मंडल के मं.सु. आयुक्त दीपचंद्र आर्या के कुशल निर्देशन में नैनपुर में कार्यरत उप निरीक्षक सोनम मिश्रा द्वारा निरीक्षक राजीव के नेतृत्व में नागपुर मंडल के विभिन्न पोस्टो से आए अधिकारियों एवं बल सदस्यों को न्यू क्रिमिनल लॉ की विस्तार से जानकारी दी। नैरोगेज रेल म्युजियम में 05 दिवसीय आयोजित कार्यशाला में सभी को न्यू क्रिमिनल लॉ की बारिकियों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को 1 जुलाई से लागू होगें।

श्रमदान से घाटों की सफाई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम

मण्डला। जिले में जल स्त्रोतों तथा नदी, तालाबों, कुआँ बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रातों के संरक्षण पुर्नजीवन हेतु 5 जून 16 जून तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 16 जून 2024 को गंगा दशमी के अवसर पर घाटों, पुरातात्विक स्थलों, मंदिरों आदि सार्वजनिक स्थलों पर जन सहयोग से साफ सफाई, जीर्णोद्वार तथा उक्त स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंदिरों, घाटों पर आरती आदि के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सीईओ जिला पंचायत ने समस्त नगरपालिका अधिकारियों तथा जनपद सीईओ को गंगा दशमी-सदानीरा अभियान के कार्यक्रमों को जनसहयोग से आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत 10 रूपए में होगी खाद्य पदार्थों की प्राथमिक जाँच

मण्डला। मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत खाद्य पदार्थों में की जाने वाली मिलावट के प्रति जागरूक करने एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देने तथा खाद्य पदार्थों के शुद्धता की तत्काल प्राथमिक जांच 10 रूपये के शुल्क पर, चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से कराने हेतु चलित खाद्य प्रयोगशाला का मण्डला जिले में प्रत्येक माह द्वितीय एवं चतुर्थ सप्ताह के दिन गुरूवार एवं शुक्रवार को रहेगा। मण्डला जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा एमएफटीएल के माध्यम से खाद्य पदार्थों में की जाने वाली मिलावट के प्रति जनजागरूकता, खाद्य पदार्थों की शुद्धता की तत्काल जांच एवं अन्य संबंधित कार्यों का संपादन किया जाना है। मण्डला जिले में चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के भ्रमण के दौरान आम उपभोक्ताओं के द्वारा भी खाद्य पदार्थों में की जाने वाली मिलावट की तत्काल प्राथमिक जांच 10 रूपये का शुल्क चालान के माध्यम से अदा कर कराया जा सकता है।

बेलखेड़ी में सार्वजनिक कूप को किया पुनर्जीवित

जल संरचनाओं को किया जा रहा पुनर्जीवित

*** पारम्परिक जल संरचनाओं, तालाब, झील, कुंआ, बावड़ी आदि का किया जा रहा संरक्षण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों का संचालन विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तथा मनरेगा अंतर्गत बीजाडांडी के ग्राम बेलखेड़ी सार्वजनिक कूप गूजर में 5 लाख 37 हजार रूपए की लागत से सार्वजनिक कूप को पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान ग्राम के कूपों की सफाई कर उनके स्त्रातों को खोला गया। इस सार्वजनिक कूप का निर्माण कार्य पूर्ण होने से ग्रामवासियों के लिए पेयजल का एक अन्य स्त्रोत उपलब्ध होगा।

चरगाँव कला में किया गया स्टाप डेम का जीर्णोद्धार

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बीजाडांडी के ग्राम चरगांव कला में स्टाप डेम का जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। स्टाप डेम के जीर्णोद्धार के लिए मनरेगा के अंतर्गत 55 हजार रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इस कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए विभागीय अमला द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। कार्य में स्थानीय श्रमिकों का नियोजन किया गया है।

बरौंची में कंटूर ट्रेंच का कार्य प्रगतिरत

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बीजाडांडी के ग्राम बरौंची में कंटूर ट्रेंच का जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। कंटूर ट्रेंच के जीर्णोद्धार के लिए मनरेगा के अंतर्गत 3 लाख 93 हजार रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इस कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए विभागीय अमला द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। कार्य में स्थानीय श्रमिकों का नियोजन किया गया है। इस दौरान गड्ढे खुदाई तथा साफ-सफाई का कार्य कर मेढ़ बनाए गए।

मुड़िया रिचका में हो रहा पौधारोपण के लिए गड्ढे का कार्य

प्रदेश के साथ-साथ जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से नदी, नालों और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं, तालाब, झील, कुंआ, बावड़ी आदि के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जनसहयोग से नदी, नालों एवं तालाबों की साफ-सफाई व गहरीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में वन विभाग के समन्वय से ग्राम मुड़िया रिचका में पौधारोपण के लिए गड्ढे का कार्य किया जा रहा है। गड्ढे का कार्य पूर्ण होने पर फलदार पौधों का रोपण किया जाएगा।

पेयजल कूप को मिल रहा एक नया स्वरूप

प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत जिले में पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के साथ-साथ नई जल संरचनायें भी बनाई जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम खोड़ाखुदरा एन एवं ग्राम गजराज में वर्षों से जीर्ण-शीर्ण एवं मरम्मत के अभाव में अनुपयोगी पेयजल कूप की मरम्मत की गई। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पेयजल कूप को साफ-सफाई कर एक नया और उपयोगी स्वरुप प्रदान किया गया है। इसी प्रकार जिले के अन्य ग्रामों में जन सहयोग से जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने का काम किया जा रहा है।

दबंग महिला पर दिखा रहे रौब झोपड़ी पर कब्जा करने का प्रयास

*** दबंगों ने नपा नैनपुर से मकान तोडने का नोटिस कराया जारी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/पिण्डरई

आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से महिलाएं, बेटियां काफी खुश है कि उन्हें भी सम्मान और हक मिला है। जिसके चलते मप्र में महिलाओं ने फिर सत्ता धारी पार्टी को खूब समर्थन दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि सभी लाडली बहनों को आवास की सुविधा भी प्रदान की जायेगी लेकिन यह योजना अब जिले के विकासखंड नैनपुर में होती नजर नहीं आ रही है।

जानकारी अनुसार नैनपुर नगरपालिका के वार्ड क्रमांक 11 में सुनीता प्रजापति पति स्व. संजय प्रजापति 50 वर्ष का एक कच्चा झोपड़ी का मकान बना हुआ है। सुनीता विगत 40 वर्षो से वार्ड नंबर 11 के सोसाइटी के बाजू में रह रही है। सुनीता और इनके बच्चों का यह झोपडी ही आसरा है। लेकिन विगत कुछ दिनों से यहां के दबंग पड़ोसियों द्वारा महिला की झोपड़ी में कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके कारण महिला सुनीता काफी परेशान है।

बताया गया कि सुनीता ने इसकी शिकायत कई बार की है, लेकिन आज दिनांक तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है। महिला की झोपड़ी में कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे देखकर लगता है कि स्थानीय प्रशासन भी दबंगो के सामने नस्मष्तक है।

पीड़ित महिला ने बताया की उनके पति की मृत्यु भी हो चुकी है। अब वह अकेले ही अपने बच्चों का पालन पोषण बमुश्किल से करती है। उसके पास कोई काम भी नहीं है, जिससे महिला आर्थिक रूप से भी परेशान है। महिला ने आरोप लगाते हुए बताया कि कुछ दबंगों द्वारा नगर पालिका नैनपुर में अवेध तरीके से मकान तोडने का नोटिस दे दिया है। महिला ने प्रशासन से न्याय की अपील करते हुए कार्यवाही करने की मांग की है।

लघुवनोपज समिति 347 बबलिया के पदाधिकारियों को नहीं मिलती वाहन सुविधा

*** तेंदुपत्ता की गुणवत्ता फडो में जाकर मजदूरो को नही दी जा सकती समझाइस।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

लघुवनोपज 347 बबलिया के अध्यक्ष कमलेष कुलस्ते ने बताया है कि 347 लघुवनोपज बबलिया में 13 तेंदुपत्ता फड आते है जिनकी देख रेख तेंदुपत्ता की गुणवत्ता अच्छा हो जिसकी देख रेख के लिए तेंदुपत्ता लघुवनोपज की अध्यक्ष उपाध्यक्ष सभी सदस्य पालक अधिकारी अभिरक्षक सब का दायित्व होता है कि तेंदुपत्ता फड में जाकर मजदूरों के साथ तेंदुपत्ता की गाईड लाईन दी जानी चाहिये जिसमें 50 पत्ती की गड्डी हो माता वाली पत्ती न हो कटी फटी पत्ती न हो लाल पत्ती न हो पत्ती की साईज बीडी बनाने लायक हो इस बात के लिए सरकार के द्वारा हर वर्ष प्रबधंक और पालक अधिकारी के बीच में एक वाहन दिया जाता है जिसके द्वारा के लिए पूरे सीजन में वाहन का किराया 80 हजार रूपये शासन से दिया जाता है किंतु पालक अधिकारी पालक अधिकारी अपनी स्वय की चार पहिया वाहन अपने कमरे के सामने खडा कर लेता है तेंदुपत्ता सीजन में और दूसरे का गाडी का बिल बाउचर लगाकर राषि का आहरण कर लिया जाता है तेंदुपत्ता के सीजन में कभी भी फडो में समिति के अध्यक्ष उपाध्यक्ष सदस्य एवं अभिरक्षक को नही घुमाया जाता सिर्फ पालक अधिकारी अपनी मोटर साईकिल में यहॉ वहॉ घूम के सीजन भर काम चलता है स्वय की चार पहिया वाहन को शो पीस बनाकर घर के सामने खडा कर लेता वाहन होता तो समिति के सभी सदस्य तेंदुपत्ता फडो में जाकर तेंदुपत्ता के गुणवत्ता के सम्बंध में समझाईस देंकर पत्तो में और अच्छा सुधार आता वाहन में घूमने के लिए कभी समिति के पदाधिकारीयो को अवसर भी नही मिल पाया और तेंदुपत्ता का सीजन खत्म हो जाता है पदाधिकारीयो तेंदुपत्ता सीजन का आय व्यय का लेखा जोखा भी नही बताया जाता तत्कालीन तेंदुपत्ता लघुवनोपज समिति 347 के जिला कार्यकारणी सदस्य विनोद भवेदी ने बताया है मै विगत वर्षो से 347 बबलिया में सदस्य रहा हूँ अध्यक्ष भी रहा हूँ किंतु इस समिति में 12 वर्षो से पालक अधिकारी अपना अधिकार आज भी जमा रखा है और उसके मनमानी के चलते सब फर्जीवाडा बिल लगाकर समितियो के राषियो का आहरण किया जाता है पहले तो तेंदुपत्ता लघुवनोपज अध्यक्षो का संयुक्त खाता होता था किंतु अब तो जिला अधिकारी रेंजर पालक अधिकारी के मिलीभगत से तेंदुपत्ता के अधिकार समाप्त कर दिये गये सिर्फ निर्माण कार्य के प्रस्ताव भर मांगे जाते है आय व्यय का कोई जानकारी नही दी जाती है जिला प्रषासन इस ओर ध्यान दे।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने आतंक के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के द्वारा राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया है। कार्यकर्ताओं ने नेहरू स्मारक में विरोध प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति भारत सरकार नई दिल्ली के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि जम्मू कश्मीर में धार्मिक यात्रा पर निकले हिन्दू श्रद्धालुओं पर माता वैष्णों देवी कटरा से शिव खोडी दर्शन को जाते समय 9 जून को इस्लामिक जेहादी पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के द्वारा घात लगाकर शिव खोडी के निकट बस के ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी कर बस चालक सहित 10 तीर्थ यात्रियों की हत्या कर दी गई। जिसको लेकर देशभर में भारी आक्रोश व्याप्त है। उक्त हमले के जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ उचित दण्डात्मक कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। मांग है कि उक्त हमले के जिम्मेदारों को शीघ्र अतिशीघ्र सजा दिलाई जाए।

युवक से मारपीट, होटल में तोडफ़ोड़, पांच दिन बाद जिला अस्पताल से मिली छुट्टी

मण्डला। हिरदेनगर चौकी के अंतर्गत मुरमखाप निवासी युवक से पड़ोस के ही लोगों ने मारपीट की है। इसके साथ ही उसकी दुकान में तोडफ़ोड़ भी। युवक को अधिक चोट होने के कारण जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसे सोमवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। लेकिन अब तक आरोपी पर मामला कायम नहीं हो सका है। पीड़ित सुरेन्द्र ठाकुर ने पुलिस को बताया है कि 7 जून की शाम को पड़ोस में रहने वाले रमेश ठाकुर एवं उसके लडक़े ने होटल में पहुंचकर तोडफ़ोड की एवं उसके साथ मारपीट की है। घटना के बाद जब वह पुलिस चौकी जा रहा था तब भी उसके दो पहिया वाहन में धक्का दिया। हिरदेनगर में शिकायत के बाद पीड़ित सुरेन्द्र ठाकुर जिला अस्पताल पहुंचा जहां कमर में चोट होने के कारण भर्ती कर उपचार किया गया। सोमवार को अवकाश दिया गया है। पीड़ित ने पुलिस से उचित कार्रवाई की मांग की है।

अव्यवस्था | खरीफ फसल की तैयारी में जुटे किसान, किसानों को मानसून का इंतजार।

खाद के लिए किसान हो रहे परेशान

*** कर्मियो की कमी लग रही लंबी कतार।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मानसून की दस्तक जरूर 20 जून के बाद होगी, पर प्री-मानसून की आहट को देखते हुए किसान अब खेतों में फिर जुट गया है। रबी फसल के बाद अब खरीफ फसलों का समय आ चुका है। अब मानसून की बारिश को ज्यादा समय नही बचा है इसलिए खेतों की साफ-सफाई कर उसमें गोबर खाद सहित अन्य रासायनिक उर्वरक इंतजाम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर इसके साथ ही सोसाइटियों से खाद का अग्रिम उठाव कर गोदामों में रख रहे है। मानसून आते ही किसानी कार्य में तेजी आ गई। इस वर्ष मौसम विभाग के अनुसार अच्छी बारिश के संकेत भी दिए गए हैं। इसके चलते किसान अपनी खरीफ फसल की तैयारी में पूरी तरह जुट चुके हैं। इन दिनों किसान खेतों की जुताई, समतलीकरण के साथ-साथ खेतों की सफाई करने में लगे हुए है। कई किसानों ने अपने खेतों की जुताई कर उसे छोड़ दिया हैं, ताकि खेतों में रहने वाले जीवाणु मर सकें। कई किसान खेतों की उर्वरता को बरकरार रखने गोबर खाद डाल रहे हैं। किसानों का कहना है कि इस साल पड़ रही तेज गर्मी से अच्छी वर्षा की उम्मीद है किसान फ्री मानसून के पहले किसान अपने व्यवस्था में जुट गए है। 16 जून के बाद मानसून का आगमन हो जाएगा। इसको ध्यान में रखते हुए किसान सोसायटी व विपणन कार्यालयों से खाद खरीद कर ले जा रहे है।

ग्राम खैरी में स्थित सहकारी विपणन संघ मर्या. कार्यालय का जायजा लिया यहां किसान परेशान दिखाई दिए अपने हाथ में गमछे लेकर अपने आप को हवा करते दिखाई दिए। इस संबंध में किसानो का कहना हैं कि विपणन कार्यालय खैरी में स्टॉफ की कमी है जिसके चलते यहां किसान परेशान हो रहे है। किसान अन्नदाता है और वही अन्नदाता खाद्य के लिए बड़ी मशक्कत कर रहे। सरकार ने किसानों को खाद्य वितरण करने के सख्त निर्देश दिए है लेकिन मुख्यालय के कार्यालय के स्टॉफ के सुस्त रवैया के चलते किसान परेशान हो रहे हैं। किसान रामबाबू ने बताया कि उनको एक हेक्टेयर पर सिर्फ पांच बोरी खाद दिया गया है। उनकी मां के नाम से जमीन है जिनकी उम्र 60 से ज्यादा हो गई है इस वजह से सोसायटी से खाद देने से मना कर दिया है। वहीं किसान हजारीलाल ने बताया कि यूरिया नहीं दिया जा रहा है वहीं डीएपी भी कम बोरी दे रहे हैं। इससे समय पर खाद नहीं मिला तो फसल बोने में समस्या आएगी।

कान्हा नेशनल पार्क के तालाब से डीजे बाघिन के शावक का लकड़ी निकालने का वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में 5 जून से 16 जून तक तालाब, कुंआ, बाबडी सहित अन्य जल स्त्रोतों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जन समर्थन के साथ इस अभियान में कान्हा टाइगर रिजर्व के एक बाघ ने अपनी सहभागिता दर्ज कराके सभी चौंका दिया है। मंगलवार को कान्हा टाइगर रिजर्व में डीजे बाघिन का शावक कान्हा टाइगर रिजर्व में निर्मित एक तालाब के अंदर पड़ी लकड़ी को तालाब से बाहर कर रहा था। यह दृश्य प्राकृतिक प्रेमी राम कुमार यादव ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

खबर संक्षेप

जमीनी विवाद को लेकर जेठानी ने देवरानी से की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पनागर निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब बीते हुये दिवस रात के समय अपने घर में बैठी हुई थी उसी दौरान जमीनी विवाद को लेकर प्रार्थिया की जेठानी व उसका लडका सोनू उर्फ सत्य नारायण प्रजापति तथा उसकी बहू द्वारा एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोट पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई घटना को लेकर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

मकान के बटवारे को लेकर भाई भाईयों के बीच मारपीट

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है जब किसी के बटवारे की बात आती है तो भाई भाई का दुश्मन बनने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों समीपस्थ सहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम भौरझिर में देखने मिली है जहां पर बटवारे को लेकर भाई भाईयों के बीच मारपीट होने से नही चूक पाई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम भौरझिर निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे भाई प्रेमनारायण व लालसाहब से मकान के लेकर बीते हुये लगभग दो माह से विवाद चल रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस जब प्रार्थी व उसकी पत्नी दोनो घर के आंगन में बैठे थे तभी प्रार्थी का मझला भाई लाल साहब कौरव व छोटा भाई प्रेम नारायण कौरव एवं भतीजी आये और मकान बटवारे की बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे। इस बात को लेकर जब प्रार्थी की पत्नी द्वारा गाली देने से मना किया तो लाल साहब व प्रेम नारायण कौरव ने प्रार्थी की पत्नी के साथ मारपीट करते हुये चोट पहुंचाई व भजीजी ने पकड़ते हुये मारपीट की गई। घटना को लेकर प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

तो पति ने कर दी पत्नी की पिटाई

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पति पत्नी दाम्यपत्य जीवन की गाड़ी के पहिया होते है और यदि एक पहिया में कुछ गडबडी आने लगे तो पूरी गाड़ी डगमग होने से नही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार से पति द्वारा लगातार अन्य किसी से फोने के माध्यम से बाते किये जाने की बात को लेकर जब पत्नी ने आपत्ती उठाई तो पति ने अपनी पत्नी की पिटाई करने में देर नही की गई। इस संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये नगर के निरंजन वार्ड निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरी शादी निरंजन वार्ड निवासी लकी कोरी से बर्ष 2022 मे हुई थी तथा मेरे पति लकी कोरी किसी दूसरी लडकी से बात करते है। इसी के चलते जब मैने मेरे पति से बोला की तुम किसी दूसरी लडकी से क्यो बात करते हो इसी बात को लेकर मेरे पति लकी कोरी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इस तरह पीड़ित पत्नी की शिकायत पर पुलिस आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पति ने मायके पहुंचकर पत्नी से की मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी क अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम झांझनखेडा निवासी एक महिला द्वारा अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरी शादी ग्राम झांझनखेडा निवासी से संजू कौरव से हिन्दू रीति रिवाजो से बर्ष 2007 मे हुई थी तथा पति द्वारा आये दिन शराब पीकर मारपीट किये जाने के कारण पीड़िता अपने बच्चों के साथ मायके ग्राम पनागर में रह रही हे। बीते हुये दिवस पीड़िता का पति संजय कौरव ग्राम पनागर यानि की पत्नि के मायके आया और अपने साथ ले जाने की बात कहने लगा। जब पीड़ित पत्नी द्वारा कहा कि तुम शराब नही छोड़ते हो जब तक मैं नही जाऊगी। इसी बात को लेकर आरोपी पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी ।

इनको संभालने को लेकर सरकार की योजनायें दिखाई दे रही मात्र औपचारिकता पूर्ण ..?

शासन प्रशासन की उदासीनता, पारंपारिक जल स्त्रोतों का अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से मिट रहा नामोनिशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इसे मॉ नर्मदा की कृपा का फल ही माना जाए कि शहर एवं क्षेत्र के गॉवों में वर्ष भर लोगों को भरपूर पानी नसीब होता रहता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गॉवों में भी नल जल योजना के तहत बनीं पानी की टंकियों के निर्माण होने से ग्रामो के निवासियों को कम ही पानी के लिए हायतौबा मचाने विवश होना पड़ता है..? लेकिन जिस तरह विवाह के बाद दूल्हे की मौर नदी में विसर्जित कर उसे भुला दिया जाता है। उसी तरह इस समय देखा जा रहा है कि लगता है शासन-प्रशासन के साथ क्षेत्रवासियों ने उन प्राचीन कुओं, तालाब व बावाड़ियो की सुध बिसराना शुरू कर दिया गया है, जिनके जरिए वर्षो पूर्व प्यासे हजारो कंठ तृप्त होते रहे है। ज्ञातव्य है कि नगर ही नही क्षेत्र के कई गांवों में परम्परागत जल स्त्रोतो की उपेक्षा होने से उनका नामो निशान लगातार मिटता चला जा रहा है? हकीकत यह है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी मिढ़वानी का लगभग ढाई एकड़ भूमि का मालिक माने जाने वाले विशाल तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ने के कारण एक तलैया के रूप में दिखाई देने लगा है। वही दूसरी कुछ इसी प्रकार का हाल गांव के वर्षो पुराने कुंआ का देखने मिल रहा है जिस पर लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुये उसके ऊपर लकड़ी रेखते हुये गंदगी फैलाई जा रही है या फिर मवेशियों को बांधते हुये उसकी सुन्दरता को ग्रहण लगाने से भी नही चूक पा रहे है जिसके चलते इस प्रकार से वर्षो पुराने पूज्यनीय माने जाने वाले यह परम्परागत स्त्रोत अपने असत्तिव को बचाने के लिये खुदे ही जूझते हुये देखे जा रहे है? उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के अनुभवी बुजुर्ग अभी भी चाहते है कि कुंआ व तालाब सलामत रहे मगर विडम्बना की बात है कि प्रशासन के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाएँ पारंपारिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा के मामले में उदासीन बनी हुई है? इस संबंध में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि पर्याप्त पानी मिलने के दौरे में यह बात चिंता जनक है कि पारंपारिक जल स्त्रोतो की तरफ ध्यान न दिया जा रहा है। वही दूसरी देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा हर साल करोड़ो रूपया खर्च करते हुये गांव गांव सरोबर से लेकर तालाब व डेमों का निर्माण कराते हुये रूपया खर्च किये जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा बनाये जाने वाले तालाबों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी कि सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये गांव गांव बनाये जा रहे इन तालाबों में एक बूंद पानी नजर आ जावे तो बडी बात होने से नही चूक पायेगी..? इस तरह नये तालाबों के निर्माण को लेकर सरकार द्वारा जहां करोडो रूपया खर्च किये जा रहे है और दूसरी ओर पुराने जल स्त्रोतों की अनदेखी निश्चित तौर से सरकार के प्रयास मात्र सरकारी धन की होली खेलने के आलवा ओर कुछ साबित होने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर इन दिनों सरकार द्वारा 5 जून से 16 जून तक पुराने जल स्त्रोतों को लेकर विशेष अभियान जरूर छेड़ा गया है। मगर वह औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने के आलवा कुछ साबित नही हो रहा है? सही मायने में देखा जावे तो इन पुराने जल स्त्रोतो की सफाई को लेकर अधिकारियों द्वारा मात्र औपचारिकता निभाते हुये योजना सिर्फ फोटो तक ही सिमित नजर आने से नही चूक पा रही है? यदि वर्तमान में देखा जावे तो जरूरत इस बात की है कि इन परम्परागत जल स्त्रोतो को चिन्हित कर इनकी दशा में बदलाव लाने की पहल करना अति जरूरी हो गया है। क्योंकि इस प्रकार से पारंपारिक जल स्त्रोत के अनदेखी करना पूर्णरूप से अनुचित है? मगर जिस प्रकार से शासन प्रशासन से लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा इन पुराने जल स्त्रोत की अनदेखी कर रहे है, वही लोगों द्वारा अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषित करने से भी नही चूक रहे है, इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम के कुआ में देखने मिल रही है इस वर्षो पुराने के में आज भी पानी है मगर उसकी ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण वह पानी गंदा हो चुका है, यदि इस कुंआ में सुधार किया जावे तो यह क्षेत्र की धरोहर माने जाने वाले परम्परागत जल स्त्रोतों की फिर से सूरत बदली जा सकती है और वह आमजन के लिये उपयोगी साबित हो सकते है? यदि शासन के रिकार्ड का अवलोकन किया जावे तो क्षेत्र का शायद ही ऐसा कोई गांव शेष होगा जहां पर राजस्व रिकार्ड में तालाब या कुंआ दर्ज दिखाई न दे रहा हो..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि सरकारी रिकार्ड के अनुसार राजस्व भूमि पर बने हुये यह कुंआ व तालाब मौके पर नजर ही नही आ रहे है जहां तालाबों में प्रभावशालियों की फसले लह लहा रही है तो कुंओं के ऊपर निर्माण कार्य हो चुके है जिन पर बहुमंजिला आवास तने हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है।

जनशिक्षा केंद्र स्तर की बैठक में दिये जरूरी दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन विद्या भवन में बीते हुये दिवस जनशिक्षा केंद्र की अधीनस्थ शालाओं के प्रधान पाठकों की बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि इस बैठक में साईंखेड़ा बीआरसी संदीप स्थापक ने प्रधान पाठकों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि 18 जून से 20 जून तक स्कूल चलें हम अभियान के तहत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम सभी शालाओं में आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया जावे। वही कार्यक्रम पूर्व सभी स्कूलों में साफ सफाई हो एवं छात्र छात्राओं को स्कूल प्रारंभ होने की जानकारी दी जावे। इस दौरान उन्होंने कहा कि नवभारत साक्षरता अभियान के तहत असाक्षरों का सर्वे कार्य पोर्टल पर जल्द पूर्ण करें । बैठक में उच्च माध्यमिक शिक्षक चंद्रकांत साहू ने जनशिक्षा केंद्र की मैपिंग प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी स्कूल जल्द मैपिंग पूर्ण करें एवं युडाइज पोर्टल व मैपिंग के आंकड़ों में समानता रहे इस बात का विशेष ध्यान रखें। बैठक मे जनशिक्षक द्वय बनवारीलाल नागवंशी एवं अपसार खान ने कहा कि जल्द स्कूलों में किताबे बीआरसी कार्यालय द्वारा भेजी जाएंगी। उन्होंने कहा कि सभी शालाओं में शालेय अभिलेख अपडेट रहें एवं पीएम पोषण के तहत बच्चों को मध्यान्ह भोजन वितरण की फीडिंग प्रतिदिन एसएमएस के माध्यम एवं पोर्टल पर की जावे। स्कूल के पुस्तकालय की पुस्तकों का रख रखाव बेहतर ढंग से हो इस बात का सभी ध्यान रखें। बैठक में परमस्नेही साहू, उच्च माध्यमिक शिक्षक सचिन नेमा, माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटैल, पुष्पेश ठाकुर, उत्तम वर्मा, रामफल चौधरी, विजय श्री राय, सरोज झारिया, रूपी जैन, राकेश अग्रवाल, संतोष कौरव, महेंद्र कौरव, रामकुमार कौरव सहित अन्य मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत पलोहाबड़ा में गौशाला के पास तालाब में हुआ श्रमदान तो भटेरा के नर्मदा तट पर चला अभियान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जल गंगा संवर्धन अभियान राज्य शासन की प्राथमिकता है। जल की एक- एक बूंद को सहेजने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान जिले में कुओं, तालाबों, वावडियों, नदियों एवं अन्य जलस्रोत व संरचनाओं के संरक्षण व पुनर्जीवन के लिए कार्य किये जा रहे हैं। इसी क्रम में सांईखेड़ा विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पलोहा बड़ा के गौशाला के पास तालाब में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां मप्र जन अभियान परिषद एवं जनपद पंचायत सांईखेड़ा द्वारा तालाब का गहरीकरण किया गया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामवासियों ने भी अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर सरपंच, सचिव, जीआरएस, वरिष्ठ समाज सेवी, नवांकुर संस्था, जनअभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक और अन्य ग्रामवासी मौजूद थे। इसी प्रकार से ग्राम पंचायत भटेरा में जनपद पंचायत सांईखेड़ा एवं जनअभियान परिषद द्वारा नर्मदा नदी के तट पर श्रमदान कर घाटों की साफ़ सफ़ाई का कार्य किया गया। घाट से मिट्टी, पॉलीथिन, अनावश्यक पड़ी हुई वस्तुओं को हटाकर घाट को स्वच्छ किया गया। इस दौरान सरपंच राजू के आलवा समाजसेवी शमशेर सिंह तोमर, ईश्वर गुर्जर, सचिव, जीआरएस, जनअभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक मोहन रघुवंशी और ग्रामवासी मौजूद थे। वही दूसरी ओर चीचली विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत महगवां (कला) में हितग्राही कलावती स्वयं के खेत में 3.06 लाख रुपये लागत के खेत- तालाब का निर्माण कार्य मनरेगा के तहत कराया जा रहा है। वे कहती हैं कि खेत- तालाब योजना के माध्यम से तालाब बन जाने से पानी को सहेजा जा सकेगा। वे इस तालाब में मछली का पालन भी करेंगी। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल को संरक्षित करने के उद्देश्य से बरसात के पूर्व जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम मगरमुहा- दिघौरी में शासकीय भूमि पर निस्तारी उपयोग के लिए मनरेगा योजना के माध्यम से 4.32 लाख की लागत सामुदायिक डगपांड का निर्माण किया जा रहा है। इसके बन जाने से ग्रामवासियों को पानी आसानी से उपलब्ध होगा। इसके साथ- साथ पशु- पक्षियों को भी सहजता से पानी मिलेगा। ग्रामवासियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रशंसा की। ओशो धाम आश्रम की हुई साफ- सफाई व जीर्णोद्धार- नगर पालिका परिषद गाडरवारा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ओशो धाम आश्रम गाडरवारा में साफ- सफाई व जीर्णोद्धार का कार्य किया गया। इसमें सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया।

दलालों का बोलबाला होने से अव्यवस्थाओं का शिकार हो रहा है मवेशी बाजार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से प्रति रविवार को नगर में लगने वाला मवेशी बाजार सिर्फ जिले में ही नही बल्कि दूसरे जिलों में भी प्रसिद्व हो चुका है, जिसके चलते प्रत्येक रविवार को यहां पर दूर के व्यापारी पहुंचकर मन पसंद मवेशी खरीदने के लिए आते है। मगर कुछ समय से यह बाजार लगातार दलालों के चंगुल में आ जाने के कारण सीधे साधे व्यापारियों के लिए सिर्फ परेशानी का कारण ही नही बल्कि अव्यवस्थाओं का शिकार भी हो रहे है? यदि इस मवेशी बाजार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के किसान अपने मवेशियों को यहां पर बेचने के लिए लाते है। मगर बाजार में मौजूद दलालों के चलते लोग अपने मवेशी को मन के मुताबिक कीमत पर नही बेच पाते है यदि किसी व्यक्ति को कोई मवेशी खरीदना या बेचना होता है तो वह दलालों के माध्यम से ही खरीद या विक्री करने के लिए मजबूर होता हुआ दिखाई दे रहे है। इस स्थिति के चलते जहां पशु मालिकों को उनका सही दाम नही मिल पा रहा है वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब कोई व्यक्ति दलालों के अनुसार अपने मवेशी की खरीदी या बिक्री नही करता है तो दलाल नुमा लोग उन्हें परेशान करने से भी नही चूकते है? इस सच्चाई को लेकर जहां यह बाजार अपना आस्त्वि खोते हुए दिखाई देने लगा है, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस बाजार में पुलिस की तैनाती नही रहने की स्थिति में कुछ दलाल नुमा लोगों द्वारा खुलेआम पुलिस के नाम पर मवेशी परिवहन करने वाले लोगों से अवैध बसूली करते हुए दिखाई दे रहे है? जिसकी सच्चाई बीते हुए बाजार में भी देखने मिली है। बताया जाता है कि जहां क्षेत्र के किसान अपने मवेशियों को बेचने के लिए वाहनों के माध्यम से लाते है उन किसानों से भी कुछ लोगों से अपना पुलिस के बीच प्रेम प्रसंग का बास्ता देते हुए पुलिस के नाम पर अवैध बसूली करते हुए आसानी से देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर कुछ इस प्रकार के व्यापारी भी है जो बाजार से थोंक में बूढे मवेशी खरीदने के बाद उन्हें कसाई घरों ले जाने के लिए उन्हें अपने वाहनों में कूरूरता पूर्वक भर कर ले जाने से नही चूकते है, इस प्रकार के लोगों को कुछ लोगों द्वारा पुलिस से पूरी सुरक्षा का जिम्मा लेने का भरोसा दिलाते हुए उनका नियम विरूद्व परिवहन कराने से भी नही चूक रहे है? पहले देखा जाता था कि जब इस मवेशी बाजार में पुलिस की डियूटी रहती थी तो मवेशियों का अवैध रूप से करूरता पूर्वक परिवहन करने वालों की गतिविधियों पर अंकुश लगा हुआ था, मगर अब घोषित रूप से पुलिस की डियूटी नही रहने के कारण कुछ दलालों द्वारा इस प्रकार से कूरूरता पूर्वक पशुओं को ले जाने वालों से पुलिस के नाम पर पैसा बसूलते हुए पुलिस की कार्य प्रणाली पर दाग लगाने से नही चूक रहे है? इस प्रकार से प्रति रविवार को देखा जाता है कि नगर के मवेशी बाजार में मवेशियों का क्रय विक्रय कराने से लेकर उनका परिवहन कराने का जिम्मा लेने की बात करते हुए खुलेआम अवैध बसूली करते हुए देखे जा रहे है? इसी का परिणाम है कि गाडरवारा क्षेत्र में फिर पशुओं की कुरूरता पूर्वक परिवहन की गतिविधियाँ नजर आने लगी है तथा शहर सहित क्षेत्र के आसपास अनेक जगहों से पशुओं को खुलेआम वाहनों में कुरूरता पूर्वक भरा जा रहा है? इस प्रकार से पुलिस के नाम पर दलाल नुमा लोगों द्वारा की जा रही अवैध बसूली की सच्चाई को लेकर पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध बनते हुये नजर आने से नही चूक पा रही है?

ग्रामीण क्षेत्रों में चालू कम, बंद ज्यादा पड़ी हुई नलजल योजनायें

शोभा की सुपारी साबित हो रही लाखों की राशि से बनी टंकी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा की दृष्टि से भले ही नल-जल योजनाओं का गांव गांव शुभारंभ किया जा रहा हो जिसके चलते सरकार का प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया भी पानी के नाम पर पानी की तरह ही बहते हुए देखा जा रहा है। लेकिन इन योजनाओं का ग्रामीणों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसके सच्चाई क्षेत्र की अनेक पंचायतों में देखने आसानी से मिल सकती है, क्योंकि सरकार द्वारा पूर्व में लाखों रूपया खर्च करते हुए अनेक पंचायतों में इस नल जल योजना का शुभारंभ तो कर दिया गया था, मगर वह सिर्फ कागजों तक ही सीमित होकर रह चुकी है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक पंचायतों में शुभारंभ के कुछ समय बाद से ही यह योजनाएं बंद पड़ी हुई हैं। बताया जाता है कि नल जल योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की सुविधा के लिए पंचायत स्तर पर शासन प्रशासन द्वारा नल-जल योजना और स्थाई जल योजना चलाई गई थी, जिसके चलते कई पंचायतों में इन योजनाओं का शुभारंभ भी किया गया था। लेकिन योजनाओं से ग्रामीणों को कोई खास लाभ नहीं मिल पा रहा है और जल संकट हर तरफ बढ़ता ही जा रहा है। अनेक गांवों का हाल तो इस तरह देखने मिल रहा है कि नल जल योजना के तहत बनाये गये नलकूपों में पानी की जगह हवा निकलते हुये देखी जा रही है। इस संबंध में जब पंचायतों के प्रमुखों से चर्चा की जाती है तो उनका एक ही जबाब होता है कि भैया हम क्या करे हब नलकूप के गड्ढा में पानी ही नही है तो आयेगा कहा से हमने तो ऊपर जानकारी भेज दी है ऊपर वाले ही जाने...? हालाकि इन योजनओं का उद्देश्य ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराना है जिसके लिये सरकार द्वारा हर साल करोडो रूपया खर्च कर रही है मगर लोगों को पानी ही नही मिल पा रहा है इसके बाद की सरकार द्वारा कहा जा रहा है कि हम घर घर पीने का पानी पहुंचा रहे है? लेकिन इस योजना के तहत डाली गई लाईनों से पानी सप्ताह में एकाध बार भी पानी सही ढंग से नहीं मिलता है। इतना ही नही कई पंचायतों की स्थिति तो इस प्रकार से है कि नलकूपों में बीते लम्बे समय में ताला डला हुआ है, इस सच्चाई के चलते इस योजना के नाम पर शासन के पैसों की बर्बादी ही जान पड़ रही है? इन योजनाओं के बंद होने का कारण भी अलग अलग है। कुछ जल स्त्रोत सूखने, बिजली कनेक्शन कटने तथा अन्य कारणों से बंद हैं। पीएचई विभाग द्वारा इन योजनाओं के शुरू होने के बाद बंद होने पर सूचना मिलने पर भी रूचि न लेकर बंद होने के कारणों को खत्म करने का प्रयास नहीं किया जाता है और न ही दुरूस्तीकरण में कोई रूचि दिखाई जाती है, जिसके चलते आज भी अनेक पंचायतों में ये योजनाएँ बंद पड़ी हुई या फिर होती जा रही हैं। इस योजना को लेकर पीएचई विभाग के अनुसार नल-जल योजना 2 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है तथा इस योजना के तहत एक ट्यूबवैल से अनेक नल कनेक्शन पाईप लाईन में बिछाकर दिये जाते हैं, घरों में कनेक्शन के बाद पानी की सप्लाई पंचायत स्तर से प्रति दिन या फिर वहां पर जैंसी पानी की स्थिति होती है के अनुसार की जाती है बदले में पंचायत द्वारा कनेक्शनधारियों से शुल्क भी लिया जाता है। इस प्रकार से एक हजार से कम आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र में स्थल जल योजना संचालित की जाती है। इस योजना में ट्यूबवैल का खनन करके उसी में मोटर पंप लगाकर कई नल लगा दिये जाते हैं और ग्रामीणों को स्पाट पर ही पानी दिया जाता है, इस योजना में घरों में कनेक्शन नहीं दिये जाते हैं, लोगों को ट्यूबवैल पर ही लगे नलों से पानी भरना पड़ता है, इस योजना को नल-जल योजना में गांव की आबादी बढ़ने पर परिवर्तित कर दिया जाता है।

कौड़िया क्षेत्र के आसपास अनेक गांवों में अपराधों की घनघोर बारिश, गांव गांव चल रहे शराब के अवैध कारोबार से बिगड़ रहा माहौल?

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। वैसे देखा जावे तो इस वर्ष लगातार मौसम के बनने बिगडने के चलते जहां क्षेत्र के किसान व आमजन परेशान होते हुए देखे जा रहे है तो दूसरी ओर लोगों को अनेक प्रकार की बीमारियाँ अपनी गिरफ्त में लेने से नही चूक रही है। मगर वही दूसरी ओर अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधियों की सच्चाई को देखते हुए जान पड़ता है कि उन्हें न तो बारिश होने से कोई अंतर पड़ता है और नही ठंड के मौसम में ठंडक से जिसके चलते इस समय क्षेत्र के गांवों में घटित होने वाली अपराधिक घटनाओं के चलते लोगों में लगातार दहशत की स्थिति देखने मिल रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों में पुलिस का खौफ गायब होने से कई तरह के अपराधों के बादल क्षेत्र में इस समय जिस प्रकार से गरज चमक के साथ जमकर इतने अधिक बरस रहे हैं कि समूचा संपूर्ण क्षेत्र अपराधों के कीचड़ में डूबता चला जा रहा है? बताया जाता है कि परदे के पीछे से प्रशासन की उदासीनता के चलते जहां सट्टे का अवैध कारोबार शबाब पर देखा जा रहा है तो वही दूसरी ओर क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार चल रहा है उसकी चपेट में आसानी से युवा वर्ग आने के कारण वह अपराध की ओर कदम बढ़ाने से नही चूक रहा है? क्योंकि क्षेत्र के गांवों में आसानी से मिल रही शराब की सच्चाई पर यदि गौर किया जावे तो अब शासन द्वारा गांव गांव शराब के ठेके तो खोले ही नही है और गांवों में जिस प्रकार से शराब का अवैध कारोबार चल रहा है वह पूर्णरूप से अवैध कारोबार ही कहा जा सकता है और इस अवैध कारोबार को संचालन करने वालों को जब तक किसी शराब ठेकेदार का संरक्षण व पुलिस प्रशासन की सहमति नही होती है तब तक गांवों में इस प्रकार का कारोबार चल पाना संभव हो ही नही सकता है? इस प्रकार से गांव गांव बिक रही अवैध शराब के चलते युवा पीढ़ी इसकी गिरफ्त में देखी जा रही है। वही दूसरी ओर स्थिति तो अब इस प्रकार से बनने लगी है कि दबे हुये पांवो से स्मैक का कारोबार भी इस क्षेत्र में अपने पैर जमाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है? क्योंकि पूर्व के समय में पुलिस द्वारा बरती गई सख्ती का परिणाम है कि इस सफेद पावडर का कारोबार इस क्षेत्र में पूर्णरूप से समाप्ति की ओर आ चुका था। मगर पुलिस प्रशासन की उदासीनता कही जावे या फिर प्रभावशालियों की संरक्षण जिसके चलते अब इस अवैध कारोबार ने अपने पैर जमाना शुरू कर दिया गया है जिसका परिणाम मासूम किशोरो से लेकर युवाओं की जिन्दगी पर बिपरीत पड़ते हुये दिखाई देने लगा है? इस तरह क्षेत्र में चल रहे इस अवैध कारोबार की सच्चाई गाडरवारा व पलोहा पुलिस थाने का रिकार्ड ही अपने आप स्पष्ट करने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि जिस प्रकार से कुछ वर्ष पहले के समय में जो स्मैक व गाजे के कारोबारियों को पकड़ने में सफलता हासिल की गई थी उसमें अधिकांश कारोबारी इसी क्षेत्र के पाये गये थें और कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय दिखाई देते हुये जान पड़ रही है। क्योंकि इस क्षेत्र के गांवो की ओर रूख किया जाता है तो हर गांव में खुलेआम सड़को व नालियों में जिस प्रकार से शराब की खाली बोतले व शीशी दिखाई पड़ रही है।

ब्राण्डेड कंपनी के मिलते जुलते सामानों की आई बहार, आमजन की जिन्दगी को बन रहा खतरा?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थो की मांग खासी बढ़ गई है। क्योंकि खुले समान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़नें वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आईटम की ओर आकर्षित होने से नही चुक पा रहे है, इसके चलते बाजार में नामी गिरामी कंपानियों की विभिन्न वैरायटी के प्रोडक्ट आ रहे है जो बच्चों से लेकर बड़ो तक की पसंद बन गए है। मगर गौर किया जावे तो बाजार में कंपनियों से मिलते जुलते ब्रांडों की भी बाढ आई हुई है, यह सेहत पर क्या असर डालेंगे। इस बारे में न तो दुकानदार जान रहा है और न ही खाद विभाग को इतनी फुर्सत है कि इनकी जांच करें? बस दुकानदार तो कमीशन अधिक होने के फेरे में इन्हे बेचने में रूचि दिखाते हुए दिखाई दे रहे है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई देने लगी है? अक्सर देखा जाता है कि बिना आई एस आई मार्क के भी प्रोडक्ट मार्केट में खुलेआम बेचे जा रहे है जो हानि कारक बताये जाते है? मगर ग्राहकों की जागारूकता के अभाव के चलते एवं दुकानदार लालच के चक्कर में असली की सूरत में नकली कंपानियों के समान बेचते हुए आसानी से दिखाई देते हुए जान पड़ रहे है..?

हरिभूमि ब्यूरो कार्यालय, गाडरवारा
स्थान परिवर्तन सूचना

हरिभूमि कार्यालय, गाडरवारा ब्यूरो कार्यालय जो पहले स्टेशन रोड उत्सव भवन के सामने था उसका स्थान परिवर्तन होने के बाद अब **अलका टाकीज रोड विजय कालोनी डॉ. आशुतोष मेहता की दांत अस्पताल के बाजू में पहुंच गया है।** समस्त हरिभूमि विज्ञापन दाता व पाठकगण अपने प्रिय अखबार हरिभूमि में अपने विज्ञापन व समाचार देने तथा हरिभूमि की प्रति प्राप्त करने के लिये अब हरिभूमि ब्यूरो कार्यालय के नये पते पर संपर्क करे।

संपर्क
उमेश कौरव तहसील प्रतिनिधि 9425467157
लाल साहब कौरव तहसील ब्यूरो प्रमुख 7771973184

कार्यालय का नया पता
हरिभूमि ब्यूरो कार्यालय अलका टाकीज रोड विजय कालोनी, डॉ. आशुतोष मेहता के बाजू में गाडरवारा / कार्यालय फोन नं. - 07791-254644

खबर संक्षेप

जैन समाज ने निकाली जिनवाड़ी की शोभा यात्रा

डिण्डौरी। विगत दिवस डिण्डौरी नगर में विराजमान जैन मुनि द्वय श्री प्रक्षाल सागर जी एवं श्री रत्नत्रय मुनि महाराज जी की सान्निध्य में जैन समाज ने जैन ग्रंथ (जिनवाड़ी अर्थात जिनेन्द्र देव की वाणी) पालकी में विराजमान कर बाजे गाजे के साथ नगर में भव्य शोभा यात्रा निकाली जैन समाज में ज्येठ सुदीप पंचमी अर्थात श्रुत पंचमी का विशेष महत्व है क्योंकि चतुर्थ काल में निर्ग्रंथ साधुओं का ह्रास होने लगा था जिससे भविष्य में जैन सिद्धांत विलुप्त न हो जाये तब आचार्य भूतवली नामक निर्ग्रन्थ मुनि श्री ने जिनवाड़ी नामक ग्रन्थ को लिपिबद्ध किया था जो कि जैन समाज के लिए पूज्य है और उसी के सिद्धांतो पर जैन समाज धार्मिक क्रियायें करता है। इस अवसर पर जैन समाज ने बैण्ड बाजे के साथ पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जो नगर में भ्रमण करते हुए कांच मंदिर पहुंची और वापिस पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में समाप्त हुई। तदुपरांत दोनों मुनि श्री के सान्निध्य में श्रुत पंचमी विधान सम्पन्न हुआ इसके बाद शाम 4:00 बजे नगर में विगत दो माह से प्रवासरत मुनि श्री जी का मंगल विहार जबलपुर की ओर हो गया। मुनि श्री की आहार चर्या 13.06.2024 को बरगांव (शहपुरा) में होगी मुनि श्री की गमन (विहार) की दिशा जबलपुर की ओर संभावित है।

नवागत थाना प्रभारी पदभार ग्रहण किया

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। नवागत निरीक्षक एस एस उसराठे ने मेहंदवानी थाना प्रभारी का पद ग्रहण किया है,उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं आम जनता की सहयोग करना पहली प्राथमिकता होगी,क्षेत्र में अवैध कारोबारों पर अंकुश लगाने ठोस पहल की जाएगी।

एक ही रात्रि में मेंहदवानी सारसडोली के चार घरों में चोरी का प्रयास

मेंहदवानी। पुलिस थाना मुख्यालय मेंहदवानी सहित नजदीकी ग्राम सारसडोली के अलग अलग चार घरों में चोरों द्वारा चोरी का असफल प्रयास किया गया। एक घर में ताला तोड़ा गया जबकि शेष घरों में दीवार खोदकर चोरों ने घर के अंदर प्रवेश किया लेकिन चोरी किसी भी घर में नहीं हुई। पुलिस थाना मेंहदवानी से मिली जानकारी के अनुसार मेंहदवानी के राजकुमार साहू, सारसडोली के देवेंद्र साहू, राजेश साहू तथा सुंदर सिंह के घरों में चोरों ने चोरी का असफल प्रयास किया। संबंधितों द्वारा इस संबंध में पुलिस थाना मेंहदवानी में आवेदन पत्र दिया है।

योजनाओं का लाभ लेने हेतु एमपी किसान पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य

डिंडौरी। कृषि उप संचालक ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेने हेतु शासन द्वारा संचालित एम.पी. किसान पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है। अब कृषक बीज, कृषि उपकरण, सिंचाई उपकरण व अनेक लाभकारी योजनाओं का फायदा पंजीयन करवाकर ही प्राप्त कर सकेगें। एम.पी. किसान पोर्टल में पंजीयन नहीं कराने वाले कृषकों को कृषि विभाग की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेजो में कृषक का आधार कार्ड (आधार-मोबाईल नंबर से लिंक हो), बही-खसरा (सभी खसरे आधार से लिंक होना चाहिए), कृषक की ई-मेल आई.डी., कृषक का जाति प्रमाण पत्र यदि आवेदक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति का हो) अतः कृषकों से अपील की गई है कि विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु आनलाईन पंजीयन कराएं।

जनपद सदस्यों ने सामान्य सभा की बैठक का किया बहिष्कार

सीईओ को दिया पत्र बोले जनहितैषी एजेंडे बैठक में शामिल करें, फिर बुलाए सामान्य सभा की बैठक

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

डिण्डौरी जिले के शहपुरा जनपद पंचायत में आज आयोजित होने वाली सामान्य सभा की बैठक का उपाध्यक्ष सहित जनपद सदस्यों ने बहिष्कार कर दिया। सदस्यों का आरोप है कि सामान्य सभा की बैठक में जो एजेंडे शामिल थे वो जनहित की दृष्टि से पर्याप्त नहीं थे। इसकी जानकारी भी समय पर नहीं दी गई। सदस्यों ने सीईओ अरविंद बोरकर को पत्र देकर एजेंडे में जनहितैषी मुद्दे शामिल करके जानकारी देने इसके बाद बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। जनपद सदस्य टेकेश्वर साहू और जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जितेन्द्र चन्देल ने बताया कि आज होने वाली सामान्य सभा की बैठक की जानकारी समय पर सदस्यों को नहीं दी गई। जबकि मध्य प्रदेश राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास ब पंचायती राज नियम के तहत 07 दिन पहले सदस्यों को जानकारी दी जानी चाहिए।और जो एजेंडे तय किए गए वो भी जनहितैषी नहीं थे। एजेंडा अकेले अध्यक्ष और जनपद सीईओ ने कर दिया। दो साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है।अधिकतर समय चुनाव में निकल गया।क्षेत्र में जन हित के बहुत सारे मुद्दे है।जनता के लिए काम करना है।इसलिए जनपद उपाध्यक्ष जितेंद्र चंदेल सहित सदस्य सुरेंद्र मार्को,शांति धुर्वे, देवकरण परस्ते,मोती टेकाम,दुर्गा झारिया,सरोज परस्ते,देवीदीन झरिया,कीर्ति साहू, हरि सिंह आर्मो मौजूद रहे।

जनपद सीईओ को दिए पत्र में जनपद सदस्यों ने जनपद पंचायत क्षेत्र में संचालित समस्त योजनाओं की समीक्षा ,05 वें एवं 15 वें वित्त की पूर्व निर्धारित कार्ययोजना एवम वर्तमान स्थितियों की समीक्षा और सभी विभागों की समीक्षा करने के लिए बैठक बुलाएं और इन एजेंडे को शामिल करें साथ ही 07 दिन पहले सभी सदस्यों को सूचना जारी करें। सामान्य सभा की बैठक का सदस्यों द्वारा बहिष्कार किए जाने के सवाल पर जनपद अध्यक्ष प्रियंका आर्मो का कहना है कि सभी मुद्दे जनहित के थे कुछ समस्या के कारण बैठक स्थगित हुई है।सभी सदस्यों से पूछकर एजेंडा तैयार करेंगे,इसके बाद ही सामान्य सभा की बैठक बुलाई जाएगी।

आनंदम दीदी कैफे में संपन्न हुआ संस्कार समर कैंप का भव्य समापन समारोह

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

जिला प्रशासन के नेतृत्व में संचालित संस्कार समर कैंप का गत दिवस आनंदम दीदी कैफे डिंडोरी में आज भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। संस्कार समर कैंप में विभिन्न विधाओं का बच्चों को ज्ञान कराया गया। जिसमें स्पोकन इंग्लिश, क्राफ्ट कबाड़ से जुगाड़ मेहंदी, हिंदी लेखन अंग्रेजी लेखन एवं एरोबिक तथा योगा, गायन वादन, तबला वादन हरमोनियम सिखाया गया इसमें शहर के विषय विशेषज्ञों के द्वारा बच्चों को उक्त स्किल पर ध्यान देकर ज्ञानवर्धन किया गया। संस्कार समर कैंप का नाम कलेक्टर विकास मिश्रा के द्वारा दिया गया। कलेक्टर के मार्गदर्शन में समर कैंप का एक माह तक सफल संचालन किया गया। संस्कार समर कैंप में सहभागिता निभाने वाले प्रत्येक बच्चे को कलेक्टर के द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। साथ ही विभिन्न विधाओं में जिन बच्चों ने प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त किया था उनको भी पुरस्कृत किया गया। समर कैंप में बच्चों के लिए शिक्षा संबंधी गतिविधियों में निजी शिक्षण संस्थान से प्रयास कोचिंग क्लास के संचालक मनोज चैकसे, अंकित ब्रिटिश अकेडमी के संचालक अंकित प्रजापति को भी सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में नगरपरिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, लक्ष्मण सिंह ठाकुर, वीरेंद्र बिहारी शुक्ला, चन्द्रशेखर नायक, नई दुनिया ब्यूरो चीफ आशीष शुक्ला, डॉ. समीक्षा सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मंजूषा शर्मा और अभिषेक बंसल के द्वारा किया गया। संस्कार समर कैंप की कमेटी में ओ.पी. सिरसे जिला योजना अधिकारी, अरुण चैबे बीआरसी, श्रीमती मंजूषा शर्मा बीएसी, अभिषेक बंसल अन्वेषक, जवाहर ठाकुर, श्रीमति आराधना पचैरी शिक्षिका, श्रीमति श्रुति गुप्ता एमआरसी सहित बीआरसी कार्यालय का स्टाफ शामिल था।

शहपुरा एसडीएम सभागार में यातायात को लेकर बस संचालक व ऑटो चालकों की ली गई बैठक

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

शहपुरा एसडीएम सभागार में दिन बुधवार को टैक्सी संचालकों, बस संचालकों के साथ बैठक कर यातायात सुचारू करने पर मंथन किया व बैठक में आये सुझावों पर अमल करने व यातायात सुचारू करने पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

एसडीएम अनुराग सिंह ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि शहपुरा नगर में वाहनों की लगातार बढती संख्या के कारण यातायात बाधित हो जाता है, जिसके कारण पैदल चलने वालों को परेशानी होती है, इसके समाधान के लिए सभी संबंधित संगठनों की बैठक बुलाई गई, जिसमें सभी से अनुरोध किया गया कि वे डिंडोरी जबलपुर सहित अन्य मार्गों पर यातायात के नियमों का पालन करे उसके बाद सख्ती की जायेगी। अगर वह रोड पर खडी पायी गई तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। जिनकी बैठक में कई सुझाव आये उन पर भी विचार किया जायेगा। इस उपरांत बैठक में शहपुरा अनुविभागीय अधिकारी अनुराग सिंह डिंडोरी यातायात प्रभारी सुभाष उईके सहित बस संचालक व ऑटो चालक की उपस्थिति रही।

थाना गाडासरई पुलिस द्वारा अवैध रूप से शराब विक्रय करने रखते पाये आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही कर किया शराब जप्त, 1 आरोपी गिरफ्तार

खबर का असर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी श्रीमति वाहिनी सिंह द्वारा थाना क्षेत्र मे अवैध गतिविधियो पर अंकुश लगाने हेतु जिले के समस्त थाना प्रभारियो को निर्देशित किया गया था। उसी तारतम्य मे अति0 पुलिस अधीक्षक महोदय जगन्नाथ मरकाम एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) महोदय डिण्डौरी के के त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना गाडासरई पुलिस द्वारा अवैध देशी विदेशी शराब का विक्रय हेतु कब्जे मे रखते पाये आरोपी के विरूध्द छापामार कार्यवाही करते हुए 01 आरोपी के साथ लगभग 55 हजार कीमती की कुल 81.500 लीटर अवैध देशी अंग्रेजी शराब जप्त किया है।

प्राप्त सूत्रों से जानकारी मिली है कि दिनांक 12.06.2024, दिन बुधवार की सुबह गाड़ासरई पुलिस को गोपनीय जानकारी मिली की ग्राम चंदना में एक व्यक्ति के द्वारा काफी मात्रा में देशी अंग्रेजी शराब अवैध विक्रय हेतु अपने घर के बाजू में कटे फटे पुराने खड्डों, बोरो के निचे शराब से भरी बोरियो को छिपाकर रखा गया है, ताकि किसी को शराब रखे होने का संदेह न हो। गाड़ासरई पुलिस के कानों तक बात पहुँचते ही गाड़ासरई पुलिस अलर्ट मोड में आकर मौके कार्यवाही हेतु अग्रसर होकर वैधानिक प्रकियाओं का पालन करते हुए मौके पहुच रेड कार्यवाही दबिश देते हुये घेरा बंदी कर चेक किया तो आरोपी के घर के बाजू में पुरानी बोरियो, खड्डों के नीचे 03 बोरियो में अवैध देशी अंग्रेजी शराब को अवैध विक्रय हेतु कब्जे मे रखे पाये जाने पर आरोपी मनीष साहू पिता स्व0 श्री जगदीश प्रसाद साहू उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम चंदना, डूंगरी टोला तिराहा, थाना गाडासरई जिला डिण्डौरी के विरूध्द आबकारी एक्ट की धारा में अपराध पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय डिण्डौरी पेश किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना गाडासरई पुलिस स्टाफ उनि अंगद सिंह बघेल, सउनि बालमुकुंद चैरसिया, सउनि के पी सिंह, सउनि अनिल उसराठे, प्रआर 81 हरनाम, प्रआर 84 शिवकुमार, प्रआर 298 पंकज सिंह, आर 352 आशीष लांजेवार, आर 42 विनोद राठौर, आर 388 सतेन्द्र उइके, आर 93 मुकेश उइके, आर 417 राजा, मआर 108 रंजीता, मआर 208 नीतू व सायबर सेल डिण्डौरी से प्रआर 202 मुकेश प्रधान तथा बुधराम मोलिया, सुभाष मरावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शहपुरा के सड़कों पर धडल्ले से नाबालिग किशोर दौड़ा रहे है वाहन

जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

नगर में बढ़ती वाहनों की संख्या और तेज गति से वाहनों का सड़कों पर दोड़ना वैसे ही दुर्घटनाओं का आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है। वहीं दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से नाबालिग किशोरों की दो पहिया वाहन दौड़ाते हुए देखा जाता है उससे उनकी जान को तो खतरा बन ही रहा है साथ ही साथ दूसरों की जान को भी खतरा पैदा करते हुए देखे जा रहे है। जिसमे प्रमुख रूप से देखा जावे तो स्कूली बच्चों का दो पहिया वाहन चलाना दूसरो के लिए खतरा बना हुआ है, क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों पर 12 वर्ष से लेकर 16 वर्ष की आयु वालें सैकड़ों किशोर व किशारियाँ वाहन चलाते दिख आसानी से दिखाई दे जाते है, इसे अभिभावक का बच्चों के प्रति लगाव कहे या भौमिकवाद की दौड़ में दिखावा जो बिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के बालक बालिका नासमझी में हादसें का शिकार हो सकते है साथ ही साथ इनकी नादानी से दूसरों की जिन्दगी भी खंतरे में पड़ सकती है। आगे निकलने की होड़- स्कूली विद्यार्थी स्कूल आते जाते समय एक दूसरें से आगे निकलने के लिए रेस लगाते है साथ ही बाइक की गति और सड़को पर अनोखे करतबो का प्रदर्शन भी भीड़ भरी सड़को पर रोजना करते हुए आसानी से देखें जाते है, इनके अभिभावक भी इन खतरों से भलिभांति वाकिफ है। लेकिन भौतिक संसाधनों के उपयोग और थोड़ी सी लापरवाही में जानकार भी अनजान बनें हुए है। सांझ ढलतें ही सड़कों पर-शाम होतें ही नगर की सड़कों पर कई किशोर जिनकी उम्र की बात तो दूर जिस वाहन पर बैठे हुए होते है उनका उसके ब्रेकों तक पैर तक नहीं पहुंच पाते मगर इसके बाद भी उसे नगर की सड़कों पर वाहन दौड़ाते हुए आसानी से देखा जा सकती है, इतना ही नही यह लोग नगर के प्रमुख मार्गों पर हार्न बजाते हुए और तेज गति से वाहन दौड़ाते हुए रोजाना देखे जा सकते है कई मौको पर तो ये किसी दुर्घटना, का शिकार होते हाते बच जाते है? मगर इस ओर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और न हीं उनके अभिभावक जिसके चलते वाहन दौड़ाने वाले बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खतरा पैदा होते हुए जान पड़ रहा है।

पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर करें नैनो उर्वरकों का उपयोग

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

कृषि विभाग द्वारा किसानों के हितार्थ नैनो उर्वरक (नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी) अत्याधिक कुशल उर्वरक है जो सूक्ष्म कणों के माध्यम से फसलों को नाइट्रोजन एवं फास्फोरस जैसे पोषक तत्व प्रदाय करते हैं। पारंपरिक रासायनिक उर्वरक डीएपी एवं यूरिया के स्थान पर तरल नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का उपयोग का तुलनात्मक विवरण दिया गया है। जिसमें पारंपरिक रासायनिक उर्वरक (यूरिया एवं डीएपी) की दक्षता 25 प्रतिशत है तथा नैनो उर्वरक की दक्षता 85 से 90 प्रतिशत है। इसी प्रकार से पारंपरिक रासायनिक उर्वरक (यूरिया एवं डीएपी) की एक बोरी के समतुल्य में नैनो उर्वरक 500 मिली. (1 बोतल) है। जिसके अनुसार पारंपरिक रासायनिक उर्वरक (यूरिया एवं डीएपी) की दर यूरिया 266.5 रूपये प्रति 45 किलोग्राम डीएपी 1350 रूपये प्रति 50 किलोग्राम के मुकाबले नैनो यूरिया की दर 240 रूपये प्रति 500 मिली एवं नैनो डीएपी की दर 600 रूपये प्रति 500 मिली है। तुलनात्मक व्यय में पारंपरिक रासायनिक उर्वरक में यूरिया का व्यय 533 रूपये प्रति 90 किलोग्राम प्रति एकड़, डीएपी का व्यय 1350 रूपये प्रति 50 किलोग्राम एकड़ है। जबकि नैनो उर्वरक में नैनो यूरिया का व्यय 240 रूपये प्रति 500 मिली प्रति एकड़ तथा नैनो डीएपी का व्यय 600 रूपये प्रति 500 मिली प्रति एकड़ है।

विभाग द्वारा बताया गया कि किसान नैनो उर्वरक का 2-4 मि.ली.ध्लीटर पानी का घोल का खड़ी फसल में छिड़काव करें, इसका उपयोग सभी प्रकार के फसलो पर किया जा सकता है। पहला छिड़काव फसल के अंकूरण के 30 दिन बाद एवं दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 20-25 दिन बाद करें। नैनो उर्वरक फसल की उपज की पोषक गुणवत्ता को बढ़ाता है एवं फसल उत्पादकता में वृद्धि और लागत में कमी करके किसानों की आय में वृद्धि करता है। एवं पर्यावरण के लिए पूर्णतः सुरक्षित है। अतः कृषकों से अपील की जा रही है कि पारंपरिक रासायनिक उर्वरक यूरिया एवं डी.ए.पी. के स्थान पर नैनो उर्वरकों का ही उपयोग करें।

शालाओं की मानीटरिंग प्रमुखता से की जाएगीः कलेक्टर

उमरिया। नया शिक्षण सत्र 18 जून से प्रारंभ हो रहा है। स्कूलों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति , शाला त्यागी बच्चों को स्कूलों में दाखिला तथा शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार पाठ्यक्रम पूरा कराकर शैक्षणिक गुणवत्ता महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। प्रशिक्षण के माध्यम से जिला प्रशासन व्दारा शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने हेतु कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में किए जा रहे जल संरक्षण के

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

जल-गंगा-संवर्धन-अभियान के तहत प्रदेश में जल स्त्रोतों तथ नदी, तालाबों, कुआं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतो के जल संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिये विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावित होने वाले नदियाँ और उनमें मिलने वाली सहायक नदियॉ एवं जल संरचनाओं के पुनर्जीवीकरण किया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आज विकासखंड अमरपुर के ग्राम बोधघुन्डी में जन अभियान परिषद अमरपुर ब्लॉक समन्वयक अमर लाल धुर्वे की उपस्थिति में देवनाला छांटा डबरा स्टाफ डेम्प में श्रमदान के माध्यम से 1 घंटे 30 मिनट साफ सफाई कर लोगों को जल तथा पर्यावरण की संरक्षण के बारे में चैपाल के माध्यम से समझाइश दी गई। इस कार्यक्रम में उप सरपंच ,वार्ड मेंबर, पंचायत सचिव ,रोजगार सचिव, मोबिलाइजर, ग्राम पंचायत के सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य प्रदान संस्था के सदस्य एवं नवांकुर संस्था से गणेश केवर्थ मेंटर्स अशोक यादव सहित लगभग 85 सदस्यों ने श्रमदान एवं चैपाल कार्यक्रम में सम्मिलित हुए ।

कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद डिंडौरी के जिला समन्वयक बद्री प्रसाद चैहान व विकासखण्ड समन्वयक करंजिया भानु प्रताप मरावी ने उमारिया सेक्टर के ग्राम कुटैलीदादर के कुटलाही नाला मे मिट्टी, पत्थर, से बांध बनाया गया। जिसमें ग्रामवासियों का भरपूर सहयोग रहा, ग्राम की महिलाओं ने भी "जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल होकर अपना भरपूर सहयोग दिया। नवांकुर संस्था के अध्यक्ष जगदीश श्याम, सुकसेन पट्टा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कुटैलीदादर, बगडबरी के अध्यक्ष ,सचिव , यादव सिंह श्याम, गणेश सिंह धुर्वे, शिवकुमार श्याम, कुमारी रजनी परस्ते, राधे सिंह, दयाराम धुर्वे, पवन कुमार ,मनोज कुमार, लालसाय मरावी आदि सभी ग्रामवासी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, गुरुवार 13 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अवैध परिवहन करने पर वाहन जप्त

नरसिंहपुर। खनिज विभाग द्वारा मंगलवार को सागर- नरसिंहपुर राजमार्ग में खनिजों से भरे 27 वाहनों की जांच की गई। इन वाहनों में से 26 वाहनों में नियमानुसार रायल्टी ईटीपीस पाई गई। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने बताया कि वाहनों की जांच के दौरान 12 चक्का हाईवा वाहन क्रमांक एमपी 15 जेडएफ 9199 के चालक हरिशचंद्र ठाकुर आ. छोटेलाल ठाकुर निवासी लोलरी तहसील तेंदूखेड़ा व वाहन मालिक सौरभ जैन निवासी बरमान रोड करेली तहसील द्वारा खनिज गिट्टी के ईटीपी में अंकित मात्रा 22 घनमीटर से 11.00 घनमीटर अधिक का अवैध परिवहन (ओव्हरलोड) करते पाया गया। उक्त वाहन को जप्त कर पुलिस थाना सुआतला की अभिरक्षा में रखा गया। उक्त वाहन पर प्रकरण दर्ज कर 2 लाख 19 हजार 800 रुपये की राशि का जुर्माना प्रस्तावित किया गया है।

पीएससी परीक्षा हेतु उड़नदस्ता दल गठित

नरसिंहपुर। मप्र लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा- 2024 की परीक्षा 23 जून को प्रातरू 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एंव दोपहर 2.15 बजे से 4.15 बजे तक दो सत्रों में आयोजित की जायेगी। अपर कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी नरसिंहपुर ने राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए उड़नदस्ता गठित किया है। उक्त उड़नदस्ता परीक्षा केन्द्रों का संघन निरीक्षण कर सतत निगरानी बनाये रखेंगे एवं निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। इस कार्य के लिए अधिकृत अनुविभागीय दंडाधिकारी नरसिंहपुर अपने स्तर से भी ड्यूटी लगा सकेंगे। राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर, शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर व शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर को परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इसके लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी नरसिंहपुर व राजस्व निरीक्षक नरसिंहपुर विनीत साहू को कार्यपालिक दंडाधिकारी नियुक्त किये गये हैं।

पौधारोपण, जागरूकता और दिलाई गई शपथ

नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गोटेगांव विकासखंड के छींदामानी तालाब में स्वच्छता व पौधरोपण किया गया। दौरान नागरिकों को जागरूकता एवं शपथ भी दिलाई गई। यह कार्यक्रम मप्र जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा के मार्गदर्शन में व विकासखंड समन्वयक गोटेगांव प्रतीक दुबे की उपस्थिति में मप्र जनअभियान परिषद की करकबेल सेक्टर की नवांकुर संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अकोला एवं नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मनकवारा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लोगों को तालाब व जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं साफ- सफाई के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ-साथ जल संरक्षण एवं संवर्धन तथा जल के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग हेतु शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान आम, अमरुद, छायादार पौधों का रोपण किया गया। जिला समन्वयक मप्र अभियान परिषद जयनारायण शर्मा ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से गंगा दशहरा 16 जून तक राज्य शासन द्वारा चलाये जा रहे विशेष जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं के निर्माण, उनका जीर्णोद्धार तथा उनकी मरम्मत, उनके पुनर्जीवन के कार्य किये जा रहे हैं। इसके अलावा नदी, तालाब, कुआं, बावड़ियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की साफ- सफाई कर नवीन जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य आरोपी कौन?, आधा हिरण कहां है?

हिरण शिकार मामले की जांच में खुलेंगे राज, पुलिस ने वन विभाग से दूरी क्यों बनाई?

नरसिंहपुर

थाना क्षेत्र सुआतला पुलिस ने हिरण के मांस के साथ आरोपी तो पकड़े लेकिन कई सवालों के जबाव अभी तक नही सुलझ पाये। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुनः जांच के आदेश दिये गये लेकिन जांच मे क्या सामने आयेगा यह अभी कहा नही जा सकता है। वही मामले मे पुलिस ने वन विभाग से दूरी बनाकर कार्रवाई की और अब हिरण की हड्डी पुलिस के गले मे फसती नजर आ रही है । अभी तक पुलिस मुख्य आरोपियों को नही पकड़ पाई है हालांकि लोगो की माने तो मामले से पर्दा उठने पर बड़े सफेदपोश वाले लोगों का नाम भी सामने आ सकता है।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Narmada Bhoomi - 10 May 2024 - Page 4

हिरण के मांस जप्ती का मामला

मरा हुआ आधा हिरण कहां गया, नहीं ढूंढ पाई पुलिस

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Narmada Bhoomi.pdf - 10 Jun 2024 - Page 4

जिले में दो मंत्री फिर भी मनमर्जी कर गये पुलिस के संतरी

धार्मिक आयोजन के चलते हिरण शिकार की जांच अटकी

मामला इस प्रकार

बीते दिनों सुआतला पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि वन्य प्राणी के मांस की तस्करी की जा रही है । सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाई और दो अरोपियों को बंदूक, छर्रे एवं हिरण के मांस सहित बुलेरो वाहन को जप्त कर लिया। उसके बाद तीन घंटे तक वन विभाग थाने मे आरोपियों के लाने का इंतजार करता रहा जैसे ही आरोपियों को लाया गया तो पुलिस ने वन विभाग से नाम मात्र सहयोग लेकर मामला पंजीबद्ध कर स्वंय कार्रवाई करते हुये न्यायालय मे पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया और दूसरे दिन ही आरोपियों को न्यायालय द्वारा जमानत भी दे दी गई।

वन विभाग से दूरी क्यों ?

पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर लोगो द्वारा अनेकों सवाल उठाये जा रहा है। जिनके जबाब पुलिस कब दे पायेगी ये कहा नही जा सकता है। लोगो का कहना है कि पुलिस ने मामला पंजीबद्ध करते समय वन विभाग मौके पर था तो पुलिस ने वन विभाग ने दूरी क्यों बनाई। वन विभाग द्वारा यदि कार्रवाई की जाती तो आरोपियों की जमानत हो पाना संभव नही था। पुलिस ने वन विभाग से दूरी बनाकर मामला पंजीबद्ध कर क्या सिद्ध करना चाहती थी। पुलिस को आरोपी एवं पकड़ा गया मांस वन विभाग के सुपुर्द किया जाना चाहिये था । हालांकि मामले की पुनः जांच की जा रही है अब देखना हो कि जांच मे क्या सामने आता है ।

षड़यंत्र या सच्चाई, मुख्य आरोपी कौन

उक्त मामले को लेकर लोगो द्वारा अनेको सवाल उठाये जा रहे है । पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के बाद गहनता से पूछताछ क्यों नही की और आधा हिरण कहां है यह महत्वपूर्ण सवाल है । सूत्रों की माने तो उक्त मामले के मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है । जमानत के दौरान आरोपियों द्वारा बताया गया कि पुलिस ने उन्हे झूठा आरोपी बनाया है। अब सोचनीय बात यह है कि आरोपी कौन है और पुलिस ने ऐसा क्यो किया । पुलिस भी षड़यंत्र की शिकार हो गई या आरोपी षड़यंत्रकारी है । मामले से पर्दा उठेगा तो खुलासा होगा । हालाकि उक्त मामले के मुख्य आरोपी स्वतंत्र है उन्हे पुलिस ने कार्रवाई के दौरान ही मामले से बाहर कर दिया था । लेकिन पुनः से होने वाली जांच मे मुख्य आरोपियों के साथ - लापरवाह पुलिस कर्मियों पर भी गाज गिरने की संभावनायें बनी हुई । अब देखना होगा कि मुख्य आरोपियों को पुलिस कैसे बचाती है।

खेत जा रहे थे आरोपी

उक्त मामले में आरोपी बनाये गये राजाराम पटेल और प्रदीप राय द्वारा न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर के यहां प्रस्तुत जमानत आवेदन पर में बताया गया है कि थाना सुआतला पुलिस ने उनके विरुद्ध पुलिस द्वारा राजनीतिक षड्यंत्र के तहत झूठा प्रकरण पंजीबद्ध किया जाने की बात कही है, उन्होंने बताया कि आवेदक डीजल क्रय करके खेत ले जा रहे थे तभी पुलिस वाले उनका वाहन बोलेरो को वहीं छोड़कर उन्हें अपने वाहन में बिठाकर लगभग तीन-चार घंटे घूमते रहे और पैसों की मांग की। आरोपी पक्ष ने स्वयं को निर्दोष बताया। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपियों को जमानत दी। मामले की हकीकत क्या है यह जानने की लोंगो मे काफी उत्सुकता है। हालांकि हिरण शिकार के बहुचर्चित मामले मे अभिनेता सलमान खान की जमानत मे दो दिन मे नही हो सकी थी तो उक्त मामले मे कैसे हो गई लोगों को यह बात समझ के परे लग रही है । वही सूत्रों की माने तो यदि वन विभाग द्वारा प्रकरण बनाया गया होता तो आरोपियों की जमानत इतने जल्दी संभव नही थी। पुलिस की जल्दबाजी आरोपियों के लिये सहायक सिद्ध हो गई ।

कालेज का नाम परिवर्तन को लेकर एसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का नाम परिवर्तन किए जाने का एन एस यू आई ने विरोध किया है। इसे लेकर एन एस यू आई ने बुधवार को विरोध प्रकट करते हुए ज्ञापन सौंपा। संगठन के जिला अध्यक्ष ईशान राय ने बताया कि जानकारी प्राप्त हुई है कि जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में स्थित जिले के सबसे बड़े एवं प्राचीन उच्च शिक्षा शैक्षणिक संस्थान स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का नाम परिवर्तित कर उसे पीएम श्री पीजी कॉलेज किया जा रहा है। शासन स्तर पर इसकी प्रक्रिया को पूर्ण कर आवश्यक कागजी कार्रवाई की जा चुकी है। जिसका भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन पुरजोर विरोध करता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्षों से जो संस्थान जिस नाम से संचालित है, उस नाम में पीएमश्री नाम जोड़ने की आवश्यकता क्या है। यदि सुविधाओं के इजाफे की बात है तो वह सुविधा अब भी दी जा सकती हैं। सरकार को चाहिए कि वह नाम परिवर्तन किए बिना सुविधाओं का विस्तार और छात्र-छात्राओं की मांगों को पूरा करे। एनएसयूआई की मांग है कि इस नाम परिवर्तन की प्रक्रिया को तुरंत निरस्त किया जाए। ऐसा न होने पर संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। उक्त मौके पर एनएसयूआई के पूर्व जिला अध्यक्ष विवेक पटेल, जिला महासचिव युवा कांग्रेस शिवम पाठक, निकिता सक्सेना, आरिफ खान, देवेंद्र पटेल, सत्यम ठाकुर, विनय प्रजापति, अंकित राय, राहुल दुबे, मोहित ठाकुर ,राहुल तिवारी, आकाश श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

जनसुनवाई में पीड़ित पति ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

नरसिंहपुर। जिले के गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीएमओ डॉक्टर एस एस धुर्वे सहित अन्य कर्मचारियों पर लगे गंभीर आरोप का मामला कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचा, बीते दिवस आवेदक पीड़ति पति द्वारा कलेक्टर एवं सीएमएचओ को पत्र के माध्यम से कार्यवाही की मांग की थी लेकिन अब तक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं पुलिस थाना गोटेगांव द्वारा किसी भी प्रकार की कोई ठोस कार्यवाही आज दिनांक तक नहीं की गई एवं मेरे प्रकरण को दबाने या रफा दफा करने का प्रयास चिकित्सालय के चिकित्सो द्वारा एवं थाने द्वारा किया जा रहा है जिससे मैं अपने आप को ठगा महसूस कर रहा हूं, आवेदक राजेंद्र मेहरा ने शुरू हुई कलेक्टर सुनवाई के पहले सप्ताह में ही न्याय की गुहार लगाते हुए कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचा और अपने प्रथम स्मरण पत्र में अपनी बात को रखते हुए उसने पुनः न्याय की मांग करते हुए कहा कि महोदय जी मैं बार-बार निवेदन कर रहा हूं एवं मैंने पूर्व में जो 28.05.2024 को जो आवेदन दिया था उस पर मैं कायम हूं अगर समय अवधि पर विभाग द्वारा एवं थाने द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई तो मैं मजबूर होकर बच्ची सहित आत्महत्या करने में मजबूर रहूंगा जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी ।

अवैध गौवंश परिवहन करने वाले आरोपी पकड़ाये

नरसिंहपुर। गौवंश के अवैध परिवहन करने वालों की सूचना देने हेतु मुखबिरों को सक्रीय किया गया है जिसके परिणाम स्वरूप मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए थाना गोटेगांव पुलिस द्वारा लाठगांव, वासपास रोड गोटेगांव पर एक पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 20 जीबी 6438 को पुलिस टीम द्वारा पीछा कर रोका गया। उक्त पिकअप वाहन की तलाशी लेने पर देखा गया कि उक्त वाहन में कुछ गौवंशों को क्रूरता पूर्वक भरा गया है। पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये उक्त गौवंशों को मुक्त कराया गया जिनकी संख्या कुल 08 नग थी। उक्त वाहन के चालक का नाम पूछने पर उसके द्वारा अपना नाम लखन ठाकुर पिता परषोत्तम ठाकुर, उम्र 19 साल, निवासी ग्राम मुआर, जमुनिया एवं साथ मे बैठे व्यक्ति द्वारा अपना नाम अनिल सिलावट पिता सुरेश सिलावट, उम्र 23 साल, निवासी ग्राम गोहचर बताया गया। आरोपियों द्वारा क्रूरता पूर्व गौवंश का अवैध परिवहन करने पर अपराध क्रमांक 532ध्2024 धारा म.प्र. गौवंश वध प्रतिशेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 9, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 एवं मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 66, 192 का प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी प्रकार मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्यवही करते हुए थाना मुंगवानी पुलिस द्वारा पांजरा डिपो के पास गोरखपुर से आते हुये एक आईसर ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया किंतु वह नही रूका एवं तेजी से आगे की ओर भागने लगा पुलिस टीम द्वारा पीछा किया गया तो ट्रक चाल द्वारा रास्ते में ट्रक खडा कर जंगल की ओर भाग गया। उक्त वाहन क्रमांक एमएच 32 एजे 4589 की तलाशी लेने पर उसमें 5 नग गौवंश मृत अवस्था में पाये गये एवं 12 नग गौवंशों को जीवित अवस्था में मुक्त कराने में सफलता प्राप्त की गयी। थाना मुंगवानी पुलिस द्वारा अज्ञात ट्रक मालिक एवं अज्ञात ट्रक चालक के विरूद्ध अपराध क्रमांक 158ध्2024 धारा म.प्र. गौवंश वध प्रतिशेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 6 ए, 9, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11, 12 एवं मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 66, 192 का प्रकरण दर्ज किया गया है।

पीएमश्री विद्यालय करकबेल में एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

नरसिंहपुर। अपर संचालक लोक शिक्षण भोपाल के निर्देशानुसार प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार के मार्गदर्शन में पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करकबेल विकासखंड गोटेगांव में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण की सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण प्रभारी प्राचार्य श्री रघुवीर सिंह लोधी ने प्रशिक्षण में शिक्षकों से कहा कि हमें बुनियादी ढांचा के अलावा, बच्चों का शतप्रतिशत नामांकन, ठहराव, गुणवत्ता सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। सभी मिलकर जो अच्छा कर सकते हैं विद्यालय हित में वो कार्य करें। ग्रीन तथा स्वच्छ विद्यालय बनाना प्राथमिकता है। सभी शिक्षकों ने प्रशिक्षण में सहभागिता की। सौ दिवसीय कार्ययोजना बनाने पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। प्रशिक्षण में सहभागिता करते हुए शिक्षकों ने शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन केसे हो के उपायों पर चर्चा के साथ साथ सुझाव दिए। प्रशिक्षण में शोभाराम चढ़ार, बीएस मेहरा,, महेंद्र पटेल, दीपक सोनी, विकास मदनकर, पंकज वाघले, श्रीमती गुलशाना उस्मानी, श्रीमती परवीन बानो, श्रीमती अंजना गुप्ता, सारिका जैन, श्रीमती भारती गुप्ता, श्रीमती मोहनी ठाकुर, श्रीमती छाया गुप्ता, श्रीमती क्षमा वर्मा, अजय तिवारी, पवन पटेल, कमलेश दुबे, अमित पटेल, इंद्रभान राजपूत कंप्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे।

स्कूल चले हम के अन्तर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 18 से

नरसिंहपुर। राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 18, 19 एवं 20 जून को आयोजित किया जायेगा। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 18 जून को सांसद व विधायक किसी एक शाला में सहभागिता करेंगे। शाला स्तर पर आयोजित स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम में शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा। ग्राम एवं बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाएगा। समस्त पात्र शालाओं में विशेष भोजन का वितरण किया जाएगा। 19 जून को सभी शालाओं में अभिभावकों के साथ शालेय गतिविधियों पर चर्चा, जिसमें प्रमुखतरू कक्षावार विषयखंड, शैक्षणिक कैलेण्डर, अध्ययन अध्यापन प्रक्रिया, अभिभावक शिक्षक बैठकों, सह शैक्षणिक गतिविधियों, शाला में उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी प्रदान की जायेगी। राज्य शासन की ओर से अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। कक्षावार उपयोगी स्टेशनरी सामग्री की अभिभावकों को जानकारी प्रदाय की जाएगी एवं निरूशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाएगा। इसी तरह 20 जून को जनप्रतिनिधियों, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध प्रभावशाली, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिए आमंत्रित किया जायेगा। शालाओं में विद्यार्थियों से भेंट के लिए अन्य इच्छुक व्यक्तियों के लिए शाला चयन की ऑनलाईन सुविधा लिंक के द्वारा उपलब्ध रहेगी। इच्छुक व्यक्ति किसी एक शाला का चयन कर स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, संस्कृतिधर्मी, समाजसेवी, उद्योगपति, उन्नत एवं सफल किसानों, व्यवसायी, मीडिया और संचार मित्रों, सैन्य और पुलिस अधिकारी, वरिष्ठ शासकीय अधिकारियों आदि के मध्य उक्त कार्यक्रम का व्यापक प्रचार- प्रसार किया जायेगा। आमंत्रित व्यक्ति इस दौरान विद्यार्थियोंध्शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे और जिला कलेक्टर के द्वारा जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक पीरियड अध्यापन कराने के लिए शालाओं का आवंटन किया जायेगा।

स्थाई नीति बनाकर, सुरक्षित भविष्य को लेकर अतिथियों ने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा

प्रदेश समन्वय समिति तथा अतिथि शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों एवं तहसील मुख्यालयों में ज्ञापन सौपा गया। जिला अध्यक्ष शिवकुमार सोनी के नेतृत्व मे सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि स्कूल अतिथि शिक्षकों के लिए कोई स्थाई नीति बनाकर अधिकतम कार्य अनुभव कार्य दिवास के आधार पर सरकार भविष्य सुरक्षित करें। प्रदेश में विगत 15-16 वर्षों से 72000 से अधिक अतिथि शिक्षक अल्प मानदेय पर सेवाएं देते चले आ रहे हैं। उन्होंने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय भी शिक्षा की बेहतर व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रदान किया है। ऐसे में इस शिक्षकीय कार्य के अलावा अन्य कोई काम करने की स्थिति में नहीं है। परंतु स्कूल शिक्षा विभाग आधिकारियों की गलत नीतियों की वजह से जब चाहे तब अनुभवी अतिथि शिक्षकों को भारी संख्या में बाहर कर दिया जाता है। जिसके चलते वे रोजी-रोटी के लिए दर-दर भटकते है। इस सब के चलते विगत 2 से 4 वर्षों में लगभग 200 से अधिक अतिथि शिक्षकों ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है, या अकाल मृत्यु को प्राप्त हो गए हैं। शेष अधिकांश के जीवन में मानसिक तनाव, क्लेश, अभाव बना हुआ है। ज्ञापन में याद दिलाया गया कि विधानसभा चुनाव के समय पूर्व भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री का संपूर्ण मध्यप्रदेश में जगह-जगह फूल बरसा कर, दीपक जलाकर और ढोल नगाड़े

के साथ स्वागत किया गया था। उसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने 2 सितंबर 23 को आतिथि शिक्षक की महापंचायत बुलाई थी, लेकिन उनकी अभी तक घोषणाएं पूरी नहीं हुई है। इससे अतिथि शिक्षक स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है और आक्रोशित है। ज्ञापन में मांग की गई कि महापंचायत की घोषणा के अनुसार अतिथि शिक्षकों को गुरुजी की भांति विभागीय परीक्षा लेकर और वर्तमान शिक्षक भर्ती में 50ः आरक्षण, वार्षिक अनुबन्ध और अधिकतम कार्य दिवसों के बोनस अंक दिए जाने के आदेश शीघ्र जारी किया जावे। वही प्रदेश की मोहन सरकार के द्वारा आनंद फाइनल में अतिथि शिक्षकों के नए पंजीयन के आदेश जारी किए गए हैं उनको तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाएं, इसके स्थान पर जो ट्रांसफर ,पदोन्नति आदि के कारण अतिथि शिक्षक सेवा से बाहर हो गए हैं उन्हें अधिकतम अनुभव के आधार पर प्राथमिकता से पुनः सेवा में नियोजित किया जाए।अतिथि शिक्षकों के स्कोर कार्ड में 10 अंक प्रति सत्र के हिसाब से अधिकतम वर्षों के अनुभव के अंक जोड़े जाएं। स्कोरकार्ड में 2018 और 2023 की पूर्व पात्रता परीक्षा की भी जानकारी दर्ज की जाये, ऐसी अन्य मांगो और समस्याओं के निराकरण के आदेश शीघ्र जारी किए जाने का अनुरोध किया गया है। यदि आदेश जारी नहीं होते तब 15 जून के बाद भोपाल में प्रान्त स्तर जन आंदोलन किया चेतावनी दी गई। जिला मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपते समय अतिथि शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष एस के सोनी, जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र नेमा, सचिन शर्मा, राजकुमारी मेहरा, मुकेश कहार, अरुण पाठक, सुनील विश्कर्मा, राघवेंद्र पटेल, राकेश श्रीवास्तव, रोहित कौरव, रत्नेश मिढोतिया, नीरज तिवारी, भूपेंद्र शर्मा, पंकज राजपूत, ओमप्रकाश सोनी, सन्दीप कौरव, रामेश्वर मेहरा, सोहन पटेल, ललित, नारायण गुर्जर, अर्पित गुप्ता, अंकित रूसिया, आदित्य द्विवेदी, राहुल गुर्जर, रंजीत सराठे, अरविंद लोदी, अभिषेक कौरव इत्यादि पदाधिकारी व अन्य अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत की गई चालानी कार्यवाही

तेंदूखेड़ा- व्यसनों से मुक्ति दिलाई जाने तथा तम्बाकू से होने वाली घातक बीमारियों को दृष्टिगत रखते हुये सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत विकासखंड चांवरपाठा के साथ साथ तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा मे भी छापामार शैली मे स्वास्थ विभाग के अधिकारियों द्वारा पुलिस के सहयोग से यह कार्यवाही की गई। जिसमें 1050 रू. का अर्थदंड के रूप मे जुर्माना वसूला गया। इस कार्यवाही मे नोडल अधिकारी एवं एन्टी सी पी अधिकारी डा. गुलाब खातेकर डा. आयु गुप्ता सुपर बाइजर राजकुमार विश्वकर्मा ए एस आई ब्रजभान शाह आरक्षक शिवम चैरसिया की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

रिश्वतखोर पटवारी को सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, नरसिंहपुर अखिलेश कुमार धाकड के न्यायालय द्वारा आरोपी संजीव कुमार सिंह पिता वीरेन्द्र कुमार सिंह उम्र 41 वर्ष, पदस्थ्य पटवारी हल्का नं. 173 ग्राम खडई तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर हाल निवासी जबलपुर को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 07(क) के आरोप के लिये 04 वर्ष के सश्रम कारावास के दंड एवं 5000 रुपये के अर्थदंड एवं धारा 13(1)(ख) के आरोप के लिये 05 वर्ष के सश्रम कारावास के दंड एवं 5000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है।